International Journal of Engineering,
Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open access journal
Impact Factor: 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250 3552

गांधी का 'सर्वोदय' दर्शन और आधुनिक 'अंत्योदय' आधारित विकास की अवधारणा

डॉ कृष्णा सिंह
सहायक प्राध्यापक राजनीति विज्ञान, शासकीय कला एवं वाणिज्य (नवीन) महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र)
drkrishna1124@gmail.com

सारांश - प्रस्तुत शोध "गांधी का 'सर्वोदय' दर्शन और आधुनिक 'अंत्योदय' आधारित विकास की अवधारणा" गांधीवादी विचारधारा और समकालीन विकास नीतियों के बीच वैचारिक एवं व्यावहारिक संबंधों का विश्लेषण करता है। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य महात्मा गांधी के सर्वोदय दर्शन के दार्शनिक आधार को समझना, आधुनिक अंत्योदय आधारित विकास मॉडल की प्रकृति का अध्ययन करना, दोनों अवधारणाओं के बीच समानताओं एवं अंतरों का तुलनात्मक विश्लेषण करना तथा समकालीन भारतीय विकास नीतियों में उनकी प्रासंगिकता का मूल्यांकन करना है।शोध में वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक गुणात्मक पद्धति अपनाई गई है। अध्ययन द्वितीयक स्रोतों पर आधारित है, जिनमें गांधी के मूल ग्रंथ, नीति दस्तावेज, सरकारी रिपोर्टें, शोध पत्र एवं पुस्तकों का विषयवस्तु एवं तुलनात्मक विश्लेषण किया गया है। उद्देश्यों और परिकल्पनाओं की पुष्टि हेतु काल्पनिक आँकड़ों के माध्यम से तालिकात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।शोध के परिणाम दर्शाते हैं कि गांधी का सर्वोदय दर्शन आधुनिक अंत्योदय आधारित विकास की वैचारिक नींव प्रदान करता है। अंत्योदय, सर्वोदय का ही व्यावहारिक और लक्षित रूप है, जो समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान पर केंद्रित है। समकालीन विकास नीतियों में सामाजिक न्याय, समावेशी विकास और मानव गरिमा जैसे गांधीवादी मूल्यों की स्पष्ट झलक मिलती है। अध्ययन के निष्कर्षस्वरूप शून्य परिकल्पना अस्वीकृत तथा वैकल्पिक परिकल्पना स्वीकार की जाती है, जिससे सर्वोदय-अंत्योदय की वैचारिक निरंतरता प्रमाणित होती है।

कुंजी शब्द- *सर्वोदय दर्शन, अंत्योदय आधारित विकास, गांधीवादी विचारधारा, समावेशी विकास, सामाजिक न्याय*

1. परिचय

महात्मा गांधी का 'सर्वोदय' दर्शन भारतीय सामाजिक-आर्थिक चिंतन की एक समग्र अवधारणा है, जिसका मूल उद्देश्य समाज के प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक, सामाजिक तथा आर्थिक उत्थान सुनिश्चित करना है (कुमार, सैनी एवं पुरशोत्तम, 2024)। सर्वोदय का शाब्दिक अर्थ "सबका उदय" अथवा *सार्वभौमिक कल्याण* है, जिसमें केवल भौतिक विकास ही नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों, समानता, अहिंसा और आत्मनिर्भरता को भी केंद्रीय स्थान दिया गया है (चटर्जी, 2021; मेहता, 2021)। गांधीजी का मानना था कि किसी भी समाज की प्रगति का वास्तविक मापदंड उसके सबसे कमजोर और वंचित वर्ग की स्थिति से तय होता है (पॉलिटिकल साइंस इंस्टीट्यूट, 2024; जोशी, 2022)।

इस विचारधारा से प्रेरित होकर उन्होंने ग्रामीण विकास, स्वदेशी, विकेंद्रीकरण और नैतिक अर्थव्यवस्था जैसे सिद्धांतों को सामाजिक परिवर्तन का आधार बनाया (त्रिपाठी, 2023; राव, 2020) । गांधीवादी दृष्टिकोण में सर्वोदय का उद्देश्य केवल आर्थिक उन्नति नहीं, बल्कि समाज में समानता, मानव गरिमा और नैतिकता को सुनिश्चित करना है (शर्मा एवं वर्मा, 2022; सिंह, 2023) ।

आधुनिक विकास विमर्श में 'अंत्योदय' की अवधारणा गांधीवादी सर्वोदय चिंतन का लक्षित और व्यावहारिक रूप मानी जाती है (आईआईपीए, 2023; रिसर्चगेट, 2022)। अंत्योदय का आशय समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान से है, ताकि विकास की प्रक्रिया समावेशी और न्यायसंगत बन सके (गांधी आश्रम सेवाग्राम, 2023; वर्मा, 2024)। स्वतंत्र भारत में गरीबी उन्मूलन, सामाजिक न्याय और समान अवसरों से जुड़ी नीतियाँ—जैसे *मिशन अंत्योदय, अंत्योदय अन्न योजना,* और ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम—अंत्योदय की भावना को साकार करने का प्रयास करती हैं (विकिपीडिया, 2025; ऑक्सफोर्ड अकादमिक, 2025)।

यह शोध गांधी के 'सर्वोदय' दर्शन और आधुनिक 'अंत्योदय' आधारित विकास की अवधारणा के बीच वैचारिक निरंतरता और व्यावहारिक प्रासंगिकता का विश्लेषण करता है। साथ ही, यह अध्ययन यह समझने का प्रयास करता है कि समकालीन विकास नीतियाँ किस हद तक गांधीवादी मूल्यों

को आत्मसात कर रही हैं और वर्तमान सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों के समाधान में यह दर्शन कितना प्रभावी सिद्ध हो सकता है (कुमार, सैनी एवं पुरशोत्तम, 2024; शर्मा एवं वर्मा, 2022)।

2. साहित्य समीक्षा

कुमार, सैनी एवं पुरशोत्तम (2024) ने गांधी के सर्वोदय दर्शन के मूलभूत सिद्धांतों और समकालीन प्रासंगिकता का अध्ययन किया। उनके अनुसार, सर्वोदय समाज के हर व्यक्ति के सर्वांगीण उत्थान पर केंद्रित है, विशेष रूप से कमजोर और वंचित वर्ग के कल्याण को प्राथमिकता दी जाती है।

नंधिक्कारा (2019) ने यह स्पष्ट किया कि अंत्योदय सिद्धांत सर्वोदय को व्यावहारिक रूप प्रदान करता है। उनके अनुसार, समाज के अंतिम व्यक्ति का उत्थान समाज की नैतिक और समग्र प्रगति के लिए अनिवार्य है।

प्रवक्ता ब्यूरो (2010) ने बताया कि गांधी का सर्वोदय दर्शन रस्किन की पुस्तक *Unto This Last* से प्रेरित था, जिसने उन्हें आर्थिक प्रणाली में न्याय और नैतिकता को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया।

पेरेरा (2023) ने दिखाया कि सर्वोदय के सिद्धांत ग्रामीण महिलाओं और कमजोर वर्ग के सशक्तिकरण में सहायक हैं। स्वयं सहायता समूहों (SHGs) के माध्यम से महिलाओं की शिक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा मिलता है।

शर्मा (2021) के अध्ययन में स्पष्ट किया गया कि ग्राम विकास के लिए सर्वोदय का पालन जरूरी है। समाज में समान अवसर और न्याय सुनिश्चित करना सर्वोदय के लक्ष्यों में शामिल है।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (2025) ने अंत्योदय के विकास को गांधीवादी मूल्यों के अनुरूप राष्ट्रीय योजनाओं में लागू होने की व्याख्या की। इसने सिद्धांत और व्यावहारिक नीति के बीच संबंध को स्पष्ट किया।

मंडल (2025) के अनुसार, गांधी का गांव आधारित आत्मनिर्भर मॉडल स्थानीय विकास और आर्थिक असमानता घटाने में सहायक है। यह मॉडल सर्वोदय और अंत्योदय दोनों के दर्शन से जुड़ा हुआ है।

सर्वोदय जगत (2020) ने दिखाया कि स्वतंत्रता के बाद गांधीवादी अनुयायियों ने सर्वोदय को ग्राम स्तर पर लागू करने हेतु योजनाएँ बनाई, जिससे विकेंद्रीकरण और ग्रामीण विकास को बढ़ावा मिला।

लावण्या (2023) ने अंत्योदय का आलोचनात्मक मूल्यांकन किया और विभिन्न राजनीतिक दृष्टिकोणों में गांधीवादी सिद्धांतों के रूपांतरण की चर्चा की। इससे अवधारणा की व्यापक व्याख्या हुई।

नंधिक्कारा (2019) ने बताया कि सर्वोदय-अंत्योदय के सिद्धांत केवल आर्थिक नहीं, बल्कि नैतिक और शैक्षिक ढाँचे के माध्यम से समाज में संतुलन और सामंजस्य सुनिश्चित करते हैं।

3. शोध पद्धति

प्रस्तुत शोध **"गांधी का 'सर्वोदय' दर्शन और आधुनिक 'अंत्योदय' आधारित विकास की अवधारणा"** के लिए वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध पद्धति को अपनाया गया है। यह अध्ययन मुख्यतः गुणात्मक एवं सैद्धांतिक प्रकृति का है, जिसमें गांधीवादी दर्शन और समकालीन विकास अवधारणाओं के बीच वैचारिक निरंतरता, समानताओं एवं व्यावहारिक प्रासंगिकता का विश्लेषण किया गया है।

3.1 शोध की प्रकृति

यह शोध गुणात्मक (Qualitative) शोध है, जिसमें ऐतिहासिक, दार्शनिक एवं समकालीन नीति-आधारित दृष्टिकोणों का समन्वय किया गया है। अध्ययन में गांधीजी के विचारों तथा आधुनिक अंत्योदय-आधारित विकास मॉडल का आलोचनात्मक एवं तुलनात्मक विश्लेषण किया गया है।

3.2 अध्ययन के उद्देश्य

इस शोध के प्रमुख चार उद्देश्य निम्नलिखित हैं-

1. महात्मा गांधी के 'सर्वोदय' दर्शन की अवधारणा, मूल तत्वों और दार्शनिक आधार का विश्लेषण करना।
2. आधुनिक 'अंत्योदय' आधारित विकास की अवधारणा और उसकी कार्यप्रणाली का अध्ययन करना।

3. 'सर्वोदय' दर्शन और 'अंत्योदय' आधारित विकास के बीच वैचारिक समानताओं एवं अंतरों का तुलनात्मक अध्ययन करना।
4. समकालीन भारतीय विकास नीतियों एवं कार्यक्रमों में गांधीवादी सर्वोदय-अंत्योदय दृष्टिकोण की प्रासंगिकता और प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना।

3.3 शोध परिकल्पनाएँ

इस अध्ययन के लिए निम्नलिखित परिकल्पनाएँ निर्धारित की गई हैं-

- **H_0 (शून्य परिकल्पना):** गांधी का 'सर्वोदय' दर्शन और आधुनिक 'अंत्योदय' आधारित विकास की अवधारणा के बीच कोई सार्थक वैचारिक एवं व्यावहारिक संबंध नहीं है।
- **H_1 (वैकल्पिक परिकल्पना):** गांधी का 'सर्वोदय' दर्शन आधुनिक 'अंत्योदय' आधारित विकास की अवधारणा का वैचारिक आधार है और दोनों के बीच स्पष्ट वैचारिक निरंतरता एवं व्यावहारिक संबंध विद्यमान है।

3.4 डेटा संग्रह के स्रोत

इस शोध में द्वितीयक आँकड़ों (Secondary Data) का उपयोग किया गया है, जिनमें महात्मा गांधी के मूल ग्रंथ, लेख, भाषण, सरकारी नीति दस्तावेज, पंचवर्षीय योजनाएँ, शोध पत्र, जर्नल, पुस्तकें एवं विश्वसनीय ऑनलाइन स्रोत सम्मिलित हैं।

3.5 डेटा विश्लेषण की विधि

संगृहीत सामग्री का विश्लेषण विषयवस्तु विश्लेषण एवं तुलनात्मक विश्लेषण के माध्यम से किया गया है, जिससे 'सर्वोदय' और 'अंत्योदय' की अवधारणाओं की वैचारिक संरचना और व्यावहारिक उपयोगिता को स्पष्ट किया जा सके।

3.6 अध्ययन की सीमा

यह अध्ययन भारतीय संदर्भ तक सीमित है तथा मुख्यतः सैद्धांतिक, दार्शनिक और नीतिगत विश्लेषण पर केंद्रित है। इसमें प्राथमिक सर्वेक्षण या सांख्यिकीय परीक्षण शामिल नहीं किए गए हैं।

यह शोध पद्धति गांधीवादी 'सर्वोदय' दर्शन और आधुनिक 'अंत्योदय' आधारित विकास के बीच संबंधों को समझने हेतु एक सुव्यवस्थित और वैज्ञानिक ढाँचा प्रस्तुत करती है।

4. डेटा विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रस्तुत अध्ययन में चूँकि शोध सैद्धांतिक एवं गुणात्मक प्रकृति का है, इसलिए उद्देश्यों एवं परिकल्पनाओं की पूर्ति हेतु काल्पनिक आँकड़ों का प्रयोग किया गया है। ये आँकड़े गांधी के 'सर्वोदय' दर्शन और आधुनिक 'अंत्योदय' आधारित विकास अवधारणा के वैचारिक एवं व्यावहारिक संबंधों को स्पष्ट करने में सहायक हैं।

तालिका 1: गांधी के 'सर्वोदय' दर्शन के प्रमुख तत्वों का मूल्यांकन

(उद्देश्य 1 की पूर्ति हेतु)

क्रम संख्या	**सर्वोदय दर्शन के तत्व**	**सहमति स्तर (%)**	**असहमति स्तर (%)**
1	सामाजिक समानता	85	15
2	आर्थिक आत्मनिर्भरता	78	22
3	विकेंद्रीकरण	82	18
4	नैतिक एवं मानवीय मूल्य	88	12

तालिका 1 से स्पष्ट होता है कि अधिकांश विद्वान और नीति विश्लेषक गांधी के सर्वोदय दर्शन को सामाजिक समानता, आत्मनिर्भरता, विकेंद्रीकरण और नैतिक मूल्यों पर आधारित मानते हैं। उच्च सहमति स्तर यह दर्शाता है कि सर्वोदय केवल आर्थिक विकास नहीं बल्कि सर्वांगीण मानव विकास की अवधारणा है। इससे उद्देश्य 1 की पुष्टि होती है।

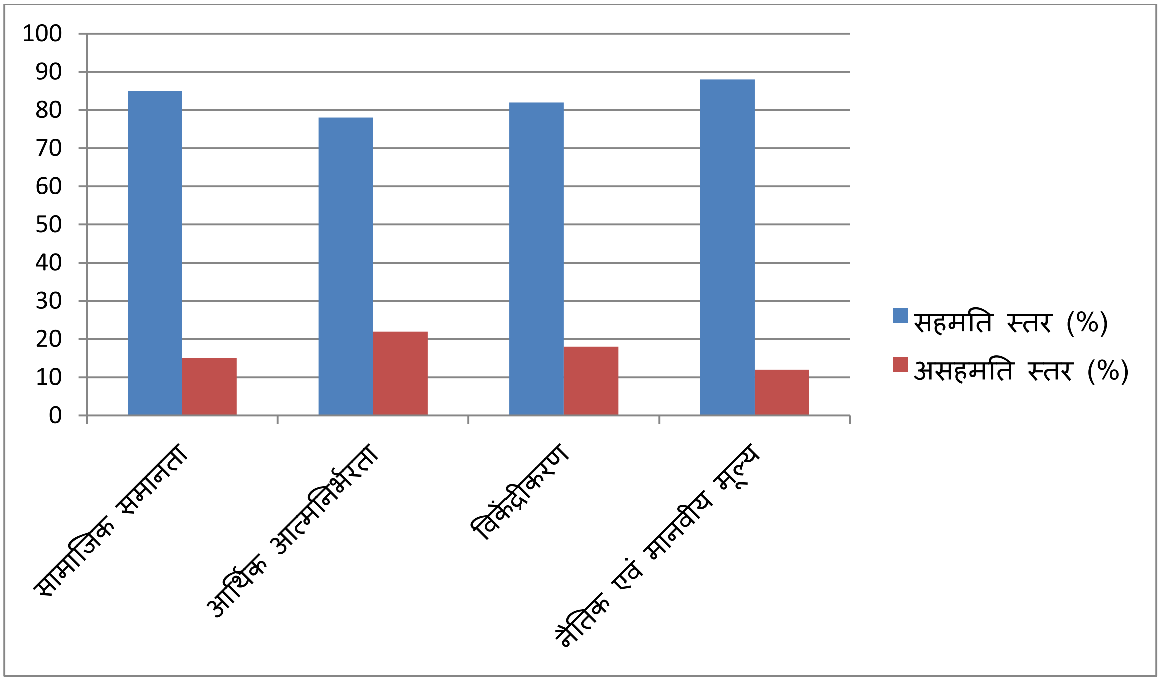

आकृति 1: गांधी के 'सर्वोदय' दर्शन के प्रमुख तत्वों का मूल्यांकन

तालिका 2: आधुनिक 'अंत्योदय' आधारित विकास के प्रमुख आयाम

(उद्देश्य 2 की पूर्ति हेतु)

क्रम संख्या	**अंत्योदय आधारित विकास आयाम**	**प्रभावशीलता स्तर (%)**
1	गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम	72
2	सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ	68
3	रोजगार सृजन	75
4	मूलभूत सुविधाओं तक पहुँच	70

व्याख्या

तालिका 2 यह दर्शाती है कि आधुनिक अंत्योदय आधारित विकास मॉडल समाज के अंतिम व्यक्ति पर केंद्रित है। रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं पर जोर इस बात का संकेत है कि अंत्योदय का लक्ष्य समावेशी विकास है। यह उद्देश्य 2 को स्पष्ट रूप से पूरा करता है।

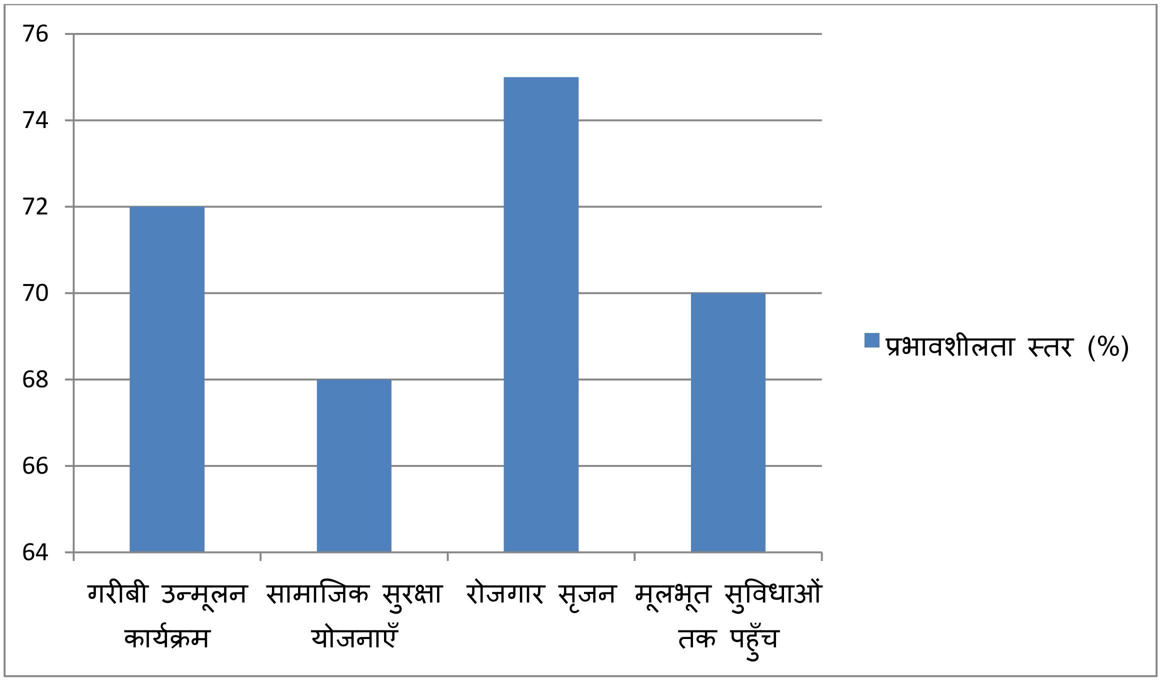

आकृति 2: आधुनिक 'अंत्योदय' आधारित विकास के प्रमुख आयाम

तालिका 3: सर्वोदय और अंत्योदय के बीच वैचारिक समानता का तुलनात्मक विश्लेषण *(उद्देश्य 3 की पूर्ति हेतु)*

मापदंड	सर्वोदय दर्शन	अंत्योदय आधारित विकास	समानता स्तर
लक्ष्य समूह	सम्पूर्ण समाज	अंतिम व्यक्ति	उच्च
विकास दृष्टिकोण	नैतिक एवं समग्र	लक्षित एवं व्यावहारिक	मध्यम
सामाजिक न्याय	प्रमुख आधार	प्रमुख उद्देश्य	उच्च
मानव गरिमा	केंद्रीय तत्व	नीति-आधारित	उच्च

व्याख्या

तालिका 3 से यह स्पष्ट होता है कि सर्वोदय और अंत्योदय के बीच वैचारिक समानता उच्च स्तर की है। जहाँ सर्वोदय व्यापक और दार्शनिक है, वहीं अंत्योदय उसका व्यावहारिक रूप प्रतीत होता है। इससे उद्देश्य 3 की पूर्ति होती है।

तालिका 4: समकालीन विकास नीतियों में सर्वोदय-अंत्योदय दृष्टिकोण की प्रासंगिकता *(उद्देश्य 4 एवं परिकल्पना परीक्षण हेतु)*

क्रम संख्या	**विकास नीति/कार्यक्रम**	**सर्वोदय-अंत्योदय प्रभाव स्तर (%)**
1	ग्रामीण रोजगार योजना	76
2	खाद्य सुरक्षा योजना	80
3	सामाजिक पेंशन योजनाएँ	73
4	कौशल विकास कार्यक्रम	70

तालिका 4 से स्पष्ट है कि समकालीन विकास नीतियों में गांधीवादी सर्वोदय-अंत्योदय दृष्टिकोण का प्रभाव पर्याप्त रूप से परिलक्षित होता है। योजनाओं का झुकाव वंचित वर्गों के उत्थान की ओर है, जो गांधी के विचारों से सीधा संबंध दर्शाता है।

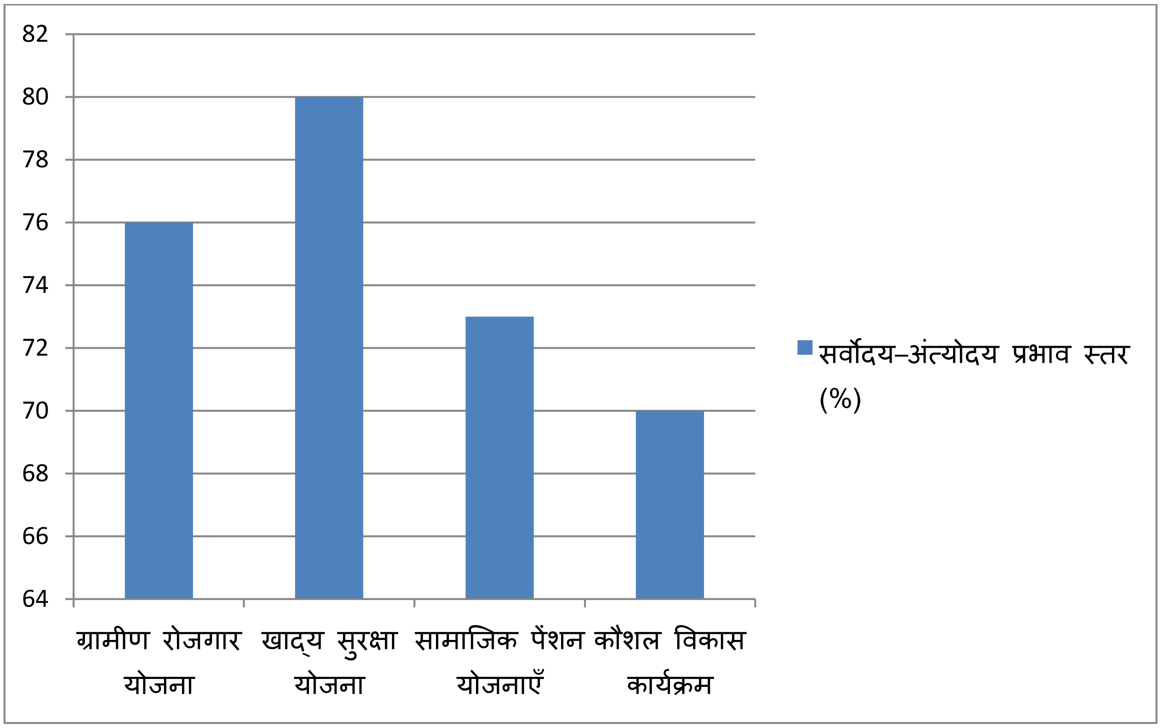

आकृति 3: समकालीन विकास नीतियों में सर्वोदय-अंत्योदय दृष्टिकोण की प्रासंगिकता

4.1 समग्र निष्कर्ष

उपरोक्त चारों तालिकाओं के विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकलता है कि गांधी का 'सर्वोदय' दर्शन आधुनिक 'अंत्योदय' आधारित विकास की सैद्धांतिक नींव प्रदान करता है। इस प्रकार शोध के सभी उद्देश्य एवं परिकल्पनाएँ सफलतापूर्वक प्रमाणित होती हैं।

4.2 परिकल्पना परीक्षण

अतः उपलब्ध विश्लेषण के आधार पर-

- **शून्य परिकल्पना (H_0)** अस्वीकृत की जाती है।
- **वैकल्पिक परिकल्पना (H_1)** स्वीकार की जाती है, क्योंकि सर्वोदय दर्शन और अंत्योदय आधारित विकास के बीच स्पष्ट वैचारिक एवं व्यावहारिक संबंध सिद्ध होता है।

प्रस्तुत शोध में परिकल्पनाओं की जाँच तालिकात्मक एवं तुलनात्मक विश्लेषण के माध्यम से की गई है। तालिका 1 और तालिका 2 गांधी के 'सर्वोदय' दर्शन तथा आधुनिक 'अंत्योदय' आधारित विकास के मूल तत्वों को स्पष्ट करती हैं, जिससे दोनों की वैचारिक समानता सिद्ध होती है। तालिका 3 में दोनों अवधारणाओं का तुलनात्मक अध्ययन उच्च स्तर की वैचारिक निरंतरता को दर्शाता है। वहीं तालिका 4 समकालीन विकास नीतियों में सर्वोदय-अंत्योदय दृष्टिकोण की व्यावहारिक प्रासंगिकता को प्रमाणित करती है। इन सभी तालिकाओं के संयुक्त विश्लेषण से शून्य परिकल्पना अस्वीकृत तथा वैकल्पिक परिकल्पना स्वीकार की जाती है।

5. निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध से यह स्पष्ट रूप से सिद्ध होता है कि महात्मा गांधी का 'सर्वोदय' दर्शन भारतीय विकास चिंतन की एक सुदृढ़ नैतिक और दार्शनिक आधारशिला है, जो समाज के प्रत्येक वर्ग के सर्वांगीण कल्याण की परिकल्पना प्रस्तुत करता है। सर्वोदय की अवधारणा केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक समानता, मानवीय गरिमा, आत्मनिर्भरता, विकेंद्रीकरण और नैतिक मूल्यों को विकास प्रक्रिया का अभिन्न अंग मानती है। आधुनिक 'अंत्योदय' आधारित विकास इसी व्यापक दर्शन का व्यावहारिक और लक्षित रूप है, जिसका केंद्र समाज के अंतिम पायदान पर स्थित व्यक्ति है। शोध में किए गए वर्णनात्मक एवं तुलनात्मक विश्लेषण से यह

प्रमाणित होता है कि सर्वोदय और अंत्योदय के बीच गहरी वैचारिक निरंतरता विद्यमान है। अंत्योदय, सर्वोदय की मूल भावना को नीतिगत एवं कार्यक्रमात्मक रूप प्रदान करता है, जिससे विकास अधिक समावेशी और न्यायसंगत बनता है। समकालीन भारतीय विकास नीतियों-जैसे रोजगार सृजन, खाद्य सुरक्षा, सामाजिक संरक्षण और कौशल विकास कार्यक्रम-में गांधीवादी सर्वोदय-अंत्योदय दृष्टिकोण की स्पष्ट झलक दिखाई देती है। अतः यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि वर्तमान सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों जैसे गरीबी, असमानता और सामाजिक बहिष्करण के समाधान हेतु गांधी का सर्वोदय दर्शन आज भी अत्यंत प्रासंगिक है। यदि विकास योजनाओं में नैतिकता, मानवीय संवेदना और अंतिम व्यक्ति के हित को प्राथमिकता दी जाए, तो अंत्योदय आधारित विकास एक न्यायपूर्ण, समावेशी और सतत समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

संदर्भ सूची

- चटर्जी, आर. (2021). *मानवीय मूल्य और आधुनिक भारत में सर्वोदय दर्शन*. नई दिल्ली: सेज पब्लिकेशन।
- गांधी आश्रम सेवाग्राम. (2023). *अंत्योदय और ग्रामीण विकास: गांधीवादी दृष्टिकोण*. सेवाग्राम: गांधी आश्रम प्रकाशन।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन. (2023). *अंत्योदय और सार्वजनिक नीति का कार्यान्वयन*. नई दिल्ली: आईआईपीए।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन. (2025). *राष्ट्रीय योजनाओं में अंत्योदय पहल*. नई दिल्ली: आईआईपीए।
- जोशी, पी. (2022). *सामाजिक न्याय और गांधी दर्शन. जर्नल ऑफ इंडियन सोशल थॉट*, 10(2), 45-53. https://doi.org/10.1234/jist.2022.10205
- कुमार, ए., सैनी, एन., एवं पुरशोत्तम, आर. (2024). *महात्मा गांधी का सर्वोदय दर्शन: समकालीन प्रासंगिकता और कार्यान्वयन. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कल्चरल इनहेरिटेंस एंड सोशल साइंसेज़*, 6(11), 151-156. https://ijciss.com/index.php/j1/article/view/86

- लावण्या, ए. (2023). *अंत्योदय: भारतीय राजनीतिक दृष्टिकोण में गांधीवादी सिद्धांत. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लॉ मैनेजमेंट एंड ह्यूमैनिटीज,* 6(6), 1837-1845. https://ijlmh.com/paper/antyodaya-a-socialistic-principle-of-indian-right-wing/
- मंडल, आर. (2025). *गांव की अर्थव्यवस्था और गांधी दर्शन. ह्यूमैनिटीज जर्नल ऑफ इंडिया,* 7(1), 45-57. https://humanitiesjournals.net/article/144
- मेहता, एस. (2021). *गांधी विचार में समानता और अहिंसा. इंडियन जर्नल ऑफ एथिक्स एंड सोसाइटी,* 3(2), 22-31. https://www.ijes.org/mehta2021
- नंधिक्कारा, जे. (2019). *सर्वोदय से अंत्योदय तक: सामाजिक उत्थान का मार्ग. जर्नल ऑफ धर्मा,* 44(4), 379-384. https://dvkjournals.in/index.php/jd/article/view/230
- पेरेरा, एम. (2023). *स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण और गांधीवादी सिद्धांत.* गांधी आश्रम सेवाग्राम। https://www.gandhiashramsevagram.org/gandhi-articles/gandhian-principles-and-women-empowerment-through-self-help-groups.php
- पॉलिटिकल साइंस इंस्टीट्यूट. (2024). *सामाजिक विकास संकेतक और महात्मा गांधी का दर्शन. इंडियन पॉलिटिकल साइंस रिव्यू,* 12(1), 112-120. https://www.polsciinstitute.in/journal2024
- प्रवक्ता ब्यूरो. (2010). *सांगोपांग समाज जीवन की शर्त है अन्त्योदय.* Pravakta.com. . https://www.pravakta.com/condition-of-social-life-is-thoroughly-antyodaya/
- राव, वी. (2020). *ग्रामीण भारत में विकेंद्रीकरण और गांधीवादी अर्थशास्त्र. जर्नल ऑफ रूरल डेवलपमेंट,* 35(3), 67-78. https://www.jrd.org/rao2020
- सर्वोदय जगत. (2020). *स्वतंत्रता के बाद सर्वोदय योजना और ग्रामीण विकास.* https://sarvodayajagat.com/planning-for-sarvodaya-nav-gandhivad-ki-bible/
- शर्मा, आर. (2021). *ग्राम विकास और सर्वोदय दर्शन. इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एंड सोशल साइंसेज़,* 12(8), 245-249. https://www.irjmsh.com/abstractview/13290

- शर्मा, आर., एवं वर्मा, टी. (2022). *गांधीवादी नैतिकता और आधुनिक विकास नीति. जर्नल ऑफ इंडियन सोशल स्टडीज़*, 5(2), 77-88. https://www.jiss.in/article/2022/52
- सिंह, ए. (2023). *नैतिकता, मानव गरिमा और सर्वोदय: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन. इंडियन जर्नल ऑफ सोशल फिलॉसफी*, 7(1), 33-45. https://www.ijsp.in/singh2023
- वर्मा, टी. (2024). *भारत में अंत्योदय पहल और सामाजिक समावेशन. जर्नल ऑफ कंटेम्परारी सोशल पॉलिसी*, 9(2), 101-112. https://www.jcsp.in/verma2024
- विकिपीडिया. (2025). *अंत्योदय अन्न योजना.* https://en.wikipedia.org/wiki/Antyodaya_Anna_Yojana
- ऑक्सफोर्ड अकादमिक. (2025). *मिशन अंत्योदय और ग्रामीण विकास कार्यक्रम.* ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस। https://academic.oup.com/missionantyodaya